**29. März 2024**

**K A R F R E I T A G**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 01. | Einzug | Stille |  |
| 02. | Prostratio des Priesters |  |  |
| 03. | Oration |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Wortgottesdienst** |
| 04. | 1. Lesung | Jes 52,13 – 53, 12 |  |
| 05. | Antwortgesang | GL 308, 1, 1 + Psalm | Vater in deine Hände |
|  |  | GL 290, 1+3+4 | Herzliebster Jesu |
|  |  | GL 292, 1-3 | Fürwahr, er trug unsre |
|  |  |  | Krankheit |
| 06. | 2. Lesung | Hebr. 4, 14-16; 5, 7-9 |  |
| 07. | Ruf v. d. Passion | GL 560, 5 | Christus, Sieger |
|  |  | GL 584, 9 + Vers | Lob dir, Christus |
| 08. | Passion | Joh 18, 1 – 19, 42 |  |
| 09. | Lied nach der Passion | GL 289, 1+6 | O Haupt voll Blut |
| 10. | Predigt |  |  |
| 11. | Große Fürbitten |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Kreuzverehrung** |
| 12. | Erhebung des Kreuzes |  |  |
| 13. | Kreuzenthüllung | GL 308, 2 | Ecce lignum |
|  |  | GL 308, 3 | Seht das Kreuz |
|  |  | GL 308, 4 | Sei uns gegrüßt |
| 14. | Kreuzverehrung des Priesters |  |  |
| 15. | Kreuzverehrung der | GL 749 / 299 | Des Königs Banner |
|  | Gemeinde | GL 294 | O du hochheilig Kreuze |
|  |  | GL 295 | O Traurigkeit |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Kommunion** |
| 16. | Das Allerheiligste wird zum | Gemeinde steht |  |
|  | Altar gebracht | schweigend |  |
| 17. | Vater unser |  |  |
| 18. | Kommunion | Stille |  |
| 19. | Das Allerheiligste wird wieder |  |  |
|  | an seinen Aufbewahrungsort |  |  |
|  | gebracht |  |  |
| 20. | Schlussgebet |  |  |
| 21. | Segensgebet über das Volk |  |  |
| 22. | Auszug | In Stille |  |
|  |  | oder GL 532 | Christi Mutter |